CONTINUOUS LEARNING PROCESS(CPL)

पुस्तक-वसंत भाग -3(साहित्य) CLASS-VIII
रचना-प्रसून 8(व्याकरण) HINDIİ

S.No.	Month	Chapter	Learning Outcome
1.	April	(साहित्य) पाठ-1ध्वनि (कविता) (व्याकरण) पाठ-2 वर्ण-विचार पाठ 3 संधि:व्यंजन संधि	•कविता के प्रमुख उपादान तुक,लय व गति से परिचित होंगे। •प्रकृति से सीख लेकर देश के जागरुक नागरिक बनने के लिए प्रेरित होंगे। •वर्णों के उच्चारण स्थान,ध्वन्यात्मक स्वरूप के सही प्रयोग से अवगत होंगे। •अनुस्वार,अनुनासिक व विसर्ग के प्रयोग से शब्दों में होने वाले अर्थ के अंतर को समझेंगे। •संधि पाठ के अध्ययन से नव शब्द निर्माण की प्रक्रिया सीखेंगे। •रचनात्मक कौशल का विकास होगा।
2.	May	(साहित्य) पाठ-2 लाख की चूड़ियाँ (कहानी) (व्याकरण) पाठ-4 शब्द-विचार पाठ-5 शब्द-रचना:समास	•लाख की चूड़ियाँ पाठ के माध्यम से बच्चे कुटीर व हस्तशिल्प कला तथा वस्तु-विनिमय व्यवस्था से परिचित होंगे। •औद्योगीकरण से हस्तशिल्प कारीगरों को होने वाले नुकसान से अवगत होंगे। •मानवीय संवेदनाओं व भावों से परिचित होंगे। •ग्रामीण क्षेत्र की सामान्य बोलचाल में प्रयोग होने वाले शब्दों से परिचित होंगे। •शब्द-विचार पाठ से शब्दों की निर्माण प्रक्रिया को समझेंगे। •शब्द के प्रकार व भेद (अंतर)को समझेंगे। •विचारात्मक व रचनात्मक कौशल का विकास होगा। •समास पाठ से संक्षेपीकरण,नव-शब्द निर्माण व सृजनात्मक क्षमता का विकास होगा।
3.	July	(साहित्य) पाठ-7 क्या निराश हुआ जाए (निबंध) (व्याकरण) पाठ-6 शब्द-भंडार पाठ-8 संज्ञा के विकारी तत्व:कारक	•क्या निराश हुआ जाए पाठ के माध्यम से बच्चे विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक सोच व निराशा से आशा की ओर अग्रसर होंगे। •निबंध में भी रहस्य,रोमांच,उत्सुकता,लघु-प्रेरक घटनाओं का समावेश करना सीखेंगे। •मानवीय मूल्यों व संवेदनाओं से परिचित होंगे। •विलोम शब्द,पर्यायवाची शब्द,एकार्थी व अनेकार्थी शब्दों को याद कर अपने शब्द कोश में वृद्धि करेंगे । •अर्थ पूर्ण शब्दों का महत्व समझकर भावाभिव्यक्ति में उनका प्रयोग कर सकेंगे। •संज्ञा शब्दों में परिवर्तन के कारणों में एक मुख्य कारण कारक रूपों को जानेंगे। •कारक चिह्नों के उचित प्रयोग से भाषा को शुद्ध रूप से लिखना-बोलना सीखेंगे।
4.	August	(साहित्य) पाठ -15 सूर के पद (कविता) (व्याकरण) पाठ-11 क्रिया पाठ-18 मुहावरे और लोकोक्तियाँ	•सूरदास द्वारा रचित पद श्री कृष्ण की बाललीलाओं व उनके आकर्षक चरित्र से अवगत कराते हैं। •ब्रजभाषा के सरल,सहज व सुंदर शब्दों के अर्थ जानकर भाषा-ज्ञान में वृद्धि करेंगे। •ब्रजभाषा के प्रति प्रेम व रुचि उत्पन्न होगी। •क्रिया के विभिन्न रूपों,भेदों व वाक्य में उनके प्रयोग-स्धान को जानेंगे। •क्रिया के सही प्रयोग से भाषा में स्पष्टता व सजीवता ला सकेंगे । •मुहावरे व लोकोक्ति के ज्ञान से भाषा में रोचकता, कम शब्दों में पूर्ण भावाभिव्यक्ति होगी। •मुहावरे व लोकोक्ति के ज्ञान से भाषा में रोचकता, कम शब्दों में पूर्ण भावाभिव्यक्ति होगी।
5.	September	(व्याकरण) पाठ-20 रचनात्मक अभिव्यक्ति:संवाद लेखन पाठ-21 अपठित गद्यांश पाठ-25 पत्र-लेखन Revision work	•संवाद-लेखन पाठ से विचारात्मक भावाभिव्यक्ति सरल शब्दों में करना सीखेंगे •वर्णनात्मक व विचारात्मक क्षमता का विकास होगा । •पूर्व ज्ञान के आधार पर और प्रस्तुत विषय के अनुरूप प्रश्नों के उत्तर देना सीखेंगे। •अनदेखी स्थितियों को हल करने की क्षमता विकसित होगी। •लिखित रूप में भावाभिव्यक्ति की योग्यता का विकास पत्र लेखन की समझ से होगा। •लेखन व रचनात्मक क्षमता का विकास होगा।
6.	October	(व्याकरण) पाठ-5 शब्द-रचना:उपसर्ग,प्रत्यय पाठ-12 काल पाठ-13 वाच्य	•उपसर्ग व प्रत्यय के अध्ययन से बच्चे नव शब्द निर्माण की प्रक्रिया सीखेंगे। •उपसर्ग व प्रत्ययों को मूल शब्दों में जोड़कर विलोम शब्द,भाववाचक संज्ञा शब्द आदि बनाने की समझ विकसित होगी । •वाक्य में काल के प्रयोग के अंतर को समझेंगे । •काल पाठ के माध्यम से भावाभिव्यक्ति में,भाषा के शुद्ध लेखन में योग्यता का विकास होगा । •वाच्य पाठ के अन्तर्गत क्रिया के प्रयोग के आधार कर्ता,कर्म व भाव के अनुसार वाक्य-निर्माण प्रक्रिया सीखेंगे। •रचनात्मक व सृजनात्मक क्षमता का विकास होगा।

7.	November	(साहित्य) पाठ-9 कबीर की साखियाँ (व्याकरण) पाठ-15 वाक्य-विचार पाठ-16 अलंकार	•कबीर की साखियाँ पाठ से बच्चों में सत्संगत,सद्व्यवहार,सच्ची ईश-भक्ति,सहृदयता,शांत-स्वभाव आदि गुणों का विकास होगा। •क्षेत्रीय भाषाओं की विशेषताओं,उच्चारण व वर्तनी में परिवर्तन को सीखेंगे। •भाषा संबंधी ज्ञान समृद्ध व उन्नत होगा। •वाक्य-विचार पाठ के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार के वाक्यों में अंतर करना सीखेंगे। •रचनात्मक व सृजनात्मक क्षमता का विकास होगा। •अलंकार पाठ के माध्यम से भावाभिव्यक्ति में सौंदर्य और चमत्कार उत्पन्न करने वाले शब्दों का भाषा में प्रयोग करना सीखेंगे। •आलंकारिक व चमत्कारिक काव्य-लेखन में रुचि उत्पन्न होगी।
8.	December	(साहित्य) पाठ-10 कामचोर (कहानी) (व्याकरण) पाठ-20 रचनात्मकअभिव्यक्ति:विज्ञापन लेखन पाठ-22 अपठित काव्यांश	•कामचोर कहानी में वर्णित पारिवारिक अव्यवस्था व कलह के प्रमुख कारण आलस्य व कामचोरी के दुष्परिणाम को रोचक ढंग से समझेंगे। •स्वाभाविक अभिव्यक्ति,कल्पनाशीलता,भाषिक कौशलों और सोच में विकास होगा। •विज्ञापन लेखन के माध्यम से रचनात्मक,विचारात्मक चित्रात्मक,सृजनात्मक भावाभिव्यक्ति का विकास होगा। •विज्ञापन लेखन से भाव संयोजन,शब्द चयन,प्रस्तुतिकरण व चित्रांकन कौशल का विकास होगा। •काव्य में निहित अर्थ समझकर,प्रश्न के अनुरूप उत्तर देने की क्षमता का विकास होगा। •समस्या-समाधान कौशल का विकास होगा
9.	January	(साहित्य) पाठ-12 सुदामा चरित (कविता) (व्याकरण) पाठ-27 निबन्ध-लेखन Revision work	•श्री कृष्ण की उत्तम चारित्रिक विशेषताओं के साथ ही उनका मित्र के प्रति प्रेम व सहृदयता का भाव जानेंगे। •ब्रजभाषा के शब्दों के साथ ही तत्सम-तद्भव शब्दों का ज्ञान प्राप्त करेंगे। •अध्ययनशीलता,मौलिकता,रचनात्मकता,उत्सुकता आदि गुणों का विकास कर सकेंगे। •भाषा/अनुभवों का सृजनात्मक प्रयोग करना सीखेंगे । •विस्मृत ज्ञान का उदय होगा ।